मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांक: 08 दिसम्बर 2017

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	09/12/17	10/12/17	11/12/17	12/12/17	13/12/17
वर्षा (मि.मी.)	0	0	12	7	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	27	25	23	22	23
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	11	10	8	6	6
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	3	8	7	2
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	81	88	100	100	96
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	41	45	49	48	46
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	3	2	4	4	4
हवा की दिशा	उत्तर–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	दक्षिण	पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह:

फसल	अवस्था	सलाह
		सोमवार व मंगलवार को वर्षा की सम्भावना है। फसलों पर किसी प्रकार के कीटनाशक व फफूंदी नाशक का छिडकाव न करें।
गेहूं		गेहूं की फसल में चौडी पत्ति वाले खरपतवार के नियंत्रण के लिए 30–35 दिन की फसल पर 2,4–डी एस्टर साल्ट एक लीटर का पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टेयर मे छिडकाव करें। छिडकाव समान रूप से करे कही भी दोहरा छिडकाव न करें।
जीरा	वानस्पतिक	जीरे की फसल में उखटा रोग पौधों की छोटी अवस्था में अधिक होता है। नियंत्रण के लिए बुवाई के 30 दिन बाद फसल पर 2 ग्राम मैन्कोजेब का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
सरसों	वानस्पतिक	बादल छाऐ रहने के कारण सरसों की फसल में छाछया रोग की सम्भावना है रोग के लक्षण दिखाई देते ही नियंत्रण हेतु प्रति हैक्टेयर 20 किलो गन्धक चूर्ण का भुरकाव करें।
पशु		पशुओं मे न्यूमोनिया के लखण जैसे बुखार, दस्त, नाक व आंख से पानी आना दिखाई देने पर उसे तुरन्त अन्य स्वस्थ पशुओं से पृथक कर दें।

(नौडल ऑफीसर)